आरंभिक वर्षों में साक्षरता

'साक्षरता' शब्द का अर्थ, इस बात पर निर्भर करते हुए कि इसका इस्तेमाल कौन कर रहा है, अलग-अलग होता है। साक्षरता शब्द कौशलों और ज्ञान की एक विस्तृत श्रृंखला को संदर्भित करता है जो पढ़े-लिखे व्यक्ति को समाज में बातचीत करने, सीखने और भाग लेने की अनुमति देती है।

साक्षरता का अर्थ है निम्नलिखित की शिक्षा देना और सीखना:

- मौखिक भाषा
- पढ़ना और
- लिखना।

साक्षरता केइन पहलुओं में से प्रत्येक में विभिन्न कौशल और ज्ञान शामिल हैं।

आरंभिक वर्षों में, मौखिक भाषा, पढ़ना और लिखना अलग-अलग और एक साथ, दोनों तरह से सिखाए जाते हैं। कभी-कभी औपचारिक सबक दिए जाते हैं जिन्हें आसानी से साक्षरता की शिक्षा केरूप में पहचाना जा सकता है।

अन्य समयों में, साक्षरता कौशलों और ज्ञान को खेलों, गायन और खेल की गतिविधियों में शामिल किया जाता है। हो सकती है कि विद्यार्थी इन्हें साक्षरता शिक्षण केरूप में नहीं पहचानें, लेकिन ये सभी साक्षर बनने केलिए आवश्यक कौशलों औरी ज्ञान को सिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

गणित और विज्ञान जैसे अन्य विषय क्षेत्रों में होने वाले शिक्षण में साक्षरता निर्देश केवे पहलू भी शामिल होते हैं जो उनी विष्ोों केलिए विशि ट हैं।

मौखिक भाॅऴॉ

मौखिक भाॅऴॉजसे भकी-भकी स्कूीलों में 'बोलना और सुनना' कहा जाता है, अयि साद्र्रता कौशल सीखने की नींव पर्दानी करती है।

स्कूीली बच्चे निम्नलिखित केदवारा मौखिक भाॅऴॉसीखते हैं:

- एक पूरी कक्षा के रूप में, छोटे समूहों में और जोड़े के रूप में कक्षा की चर्चाओं में भाग लेना
- विभिन्न उद्देश्यों के लिए बात करना, उदाहरण के लिए, पसंद और नापसंद को साझा करना
- पुस्तकों के बारे में चर्चा करने और वार्तालाप के साथ, ऊंची आवाज़ में पढ़ना
- गाने गाना, गायन तथा कविताएँ और बालगीत सुनाना
- विभिन्न प्रयोजनों के लिए कक्षा के सामने बोलना, उदाहरण के लिए, सप्ताहांत पर उन्होंने जो किया उसका वर्णन करना
- शिक्षक और सहपाठियों की बात सुनना।

© 2021 Commonwealth of Australia, unless otherwise indicated. Creative Commons Attribution 4.0, unless otherwise indicated.

कुछ महत्वपूर्ण मौखिक भाषा कौशल जिन्हें छोटे बच्चे आरंभिक साक्षरता सीखने के दौरान विकसित करते हैं, उनमें शामिल हैं:

- मौखिक निर्देशों को सुनना और समझना
- ऊंची आवाज़ में पढ़कर सुनाई जाने वाली कहानियों को सुनना और समझना
- प्रश्न पूछना या अनुरोध करना और उत्तरों को सुनना
- भावनाओं, विचारों और युक्तियों को मौखिक रूप से व्यक्त करना
- पूर्ण वाक्यों में बोलना
- एक वाक्य में अलग-अलग शब्दों को सुनना
- ध्वनि के प्रतिमानों को सुनना और दोहराना, जैसे कि बालगीत।

ये कुछ तरीके हैं जिनसे आप घर पर मौखिक भाषा को प्रोत्साहित कर सकते हैं:

- अपने बच्चे से बात करें, उनसे ऐसे सवाल पूछें, जिनके जवाब में 'हां' या 'नहीं' से अधिक की जरूरत होती है। उनसे उनके विचारों, राय, वरीयताओं के बारे में पूछें और ऐसे स्पष्टीकरण या औचित्य देने के लिए कहें जो उन्हें लंबे और अधिक जटिल वाक्यों में बोलने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।
- अपने बच्चे के उत्तरों को ध्यान से और जिम्मेदारी के साथ सुनें।
- बातचीत करने वाले खेल खेलें (कार इसके लिए एक शानदार जगह हो सकती है) जैसे कि **I spy with my little eye, Twenty questions, Celebrity heads, Taboo.**
- चीजों को साथ मिलकर करें और आपने जो किया है उसके बारे में बात करें। साथ मिलकर खाना पकाएं या बागवानी करें, बस या ट्रेन में यात्रा करें, स्थानीय पूल या पार्क में जाएँ, झाड़ी में या अपने पड़ोस में टहलने जाएँ। इससे बच्चे विभिन्न प्रकार की शब्दावली, तकनीकी शब्दों और विभिन्न वाक्य संरचनाओं से परिचित होंगे।
- योजनाबद्ध या सहज तरीके से साथ मिलकर खेलने से बच्चों को विभिन्न उद्देश्यों के लिए बातचीत के साथ इस्तेमाल करने का अवसर मिलता है तथा सृजनशीलता और कल्पना को प्रोत्साहन मिलता है। साथ मिलकर चित्र बनाएं, प्ले डो का इस्तेमाल करें, मिट्टी में खुदाई करें, ड्रेस-अप खेलें, खिलौना कारों के लिए सड़कें बनाएं, कठपुतलियों के साथ खेलें या कार्ड और बोर्ड गेम खेलें।
- गाने, बालगीत या भोलीभाली कविताएं गाएं। अपने या अपने बच्चे के जाने-पहचाने नामों और स्थानों में फेर-बदल करें।

© 2021 Commonwealth of Australia, unless otherwise indicated. Creative Commons Attribution 4.0, unless otherwise indicated.

पढ़ना

बच्चे आरंभिक वर्षों में और अपनी सारी स्कूली शिक्षा के दौरान आनंद के लिए तथा सीखने और खोजने के लिए पढ़ते हैं। पढ़ने का उद्देश्य पढ़ी जा रही पुस्तक, लेख या वेबसाइट को समझना होता है।

स्कूल में, बच्चे निम्नलिखित के द्वारा पढ़ना सीखते हैं:

- शिक्षक द्वारा जोर से पढ़ी गई कहानियों, कविताओं, कथेतर पुस्तकों और वेबसाइटों को सुनकर और उनका जवाब देकर
- शिक्षक और सहपाठियों के साथ-साथ पढ़कर
- छोटे समूहों में और शिक्षक के साथ व्यक्तिगत रूप से पढ़कर
- अपने उभरते कौशलों को स्वतंत्र रूप से आजमाकर और उनका अभ्यास करके।

साक्षरता सीखने के आरंभिक दिनों में, छोटे बच्चे निम्नलिखित सहित कुछ महत्वपूर्ण पठन कौशल और ज्ञान विकसित करेंगे:

- लेखकों और चित्रकारों द्वारा विशेष प्रयोजनों के लिए रची गई पुस्तकें और वेबसाइट्स।
- पृष्ठ पर प्रिंट किए गए शब्द सार्थक होते हैं और उनका इस्तेमाल ऐसे वाक्यों के निर्माण के लिए किया जा सकता है, जिन्हें जोड़कर अधिक लेखन संभव हो सकता है।
- विराम चिह्न शब्दों और वाक्यों का अर्थ समझने में पाठक की मदद करते हैं।
- तस्वीरें और चित्र कल्पनाशील और जानकारीपूर्ण पुस्तकों, लेखों और वेबसाइटों को सार्थक बनाने में भी योगदान करते हैं।
- दुनिया के बारे में पाठक का अनुभव और अन्य पुस्तकें उसके द्वारा पढ़ी गई सामग्री को समझने में उसकी मदद करती है।
- प्रत्येक पाठक अपने द्वारा पढ़ी गई चीजों के प्रति अलग-अलग तरीके से प्रतिक्रिया करता है।

घर पर पढ़ने को प्रोत्साहन देना महत्वपूर्ण है।

- अपने स्थानीय पुस्तकालय में जाएँ और बच्चों को चित्रों वाली पुस्तकें या कथेतर पुस्तकें चुनकर उधार लेने का अवसर दें।
- बरामदे में बैठें और अपने बच्चे की पसंदीदा पुस्तकों को फिर से ऊंची आवाज़ में पढ़कर सुनाएं। अपने बच्चे को उन पुस्तकों से परिचित कराएँ जो आपको अपने बचपन में अच्छी लगती थीं। उन पुस्तकों से मिलने वाले आनंद के बारे में बताएं जिन्हें आपने साथ मिलकर पढ़ा था और उनकी प्रशंसा करें।
- साथ मिलकर ऑडियो बुक्स सुनें। (लंबी कार यात्राओं के दौरान ऐसा करना अच्छी बात होगी।) कहानी पर अपनी प्रतिक्रियाओं के बारे में बात करें।
- उपहार में पुस्तकें दें। पुस्तकों को बहुमूल्य और खास चीजें समझें।
- पसंदीदा या नई पुस्तकों या लेखकों की खोज करने के लिए सेकंड-हैंड बुकशॉप्स और ऑप शॉप्स में जाएं।
- पसंदीदा पुस्तकों, कहानियों के प्रकारों, लेखकों और चित्रकारों के बारे में बात करें। अपने बच्चे को पुस्तकों के बारे में अपनी निजी प्रतिक्रियाएं देने और अपनी पसंद-नापसंद के कारण बताने के लिए प्रोत्साहित करें।

© 2021 Commonwealth of Australia, unless otherwise indicated. Creative Commons Attribution 4.0, unless otherwise indicated.

- सुनिश्चित करें कि आपका बच्चा आपको आपकी रुचि की चीजें (पुस्तकें, अखबार, पत्रिकाएं, लेकिन फोन नहीं!) पढ़ते हुए देखे। पूरे परिवार के लिए हर दिन एक विशेष समय निश्चित करें जब सभी लोग कहीं पर आराम से बैठें और अपनी-अपनी पुस्तकें साथ मिलकर पढ़ सकें।
- घर के आस-पास और आप जहाँ भी जाएं वहां पर लिखी हुई बातों की ओर इशारा करें जैसे सड़कों के नाम, दुकान के साइनबोर्ड, खाद्य पैकेजिंग और नक्शे।

लेखन

आरंभिक वर्षों में जब वे लिखना और अभ्यास करना सीखते हैं, बच्चे अपने मौखिक भाषा कौशलों और अपने पढ़ने के कौशलों और ज्ञान का इस्तेमाल कर सकते हैं।

स्कूल में, बच्चे निम्नलिखित द्वारा पढ़ना सीखते हैं:

- शिक्षक और प्रकाशित लेखकों सहित अन्य लोगों के लेखन को करीब से देखना
- शिक्षक और सहपाठियों के साथ विचारों पर मंथन करना
- एक कक्षा के रूप में, छोटे समूहों के रूप में या जोड़ियों और व्यक्तिगत रूप से लिखने की योजना बनाना
- एक कक्षा के रूप में शिक्षक के मार्गदर्शन में साथ मिलकर लिखना
- किसी साथी के साथ और स्वतंत्र रूप से लिखना
- अपने लेखन को साझा करना तथा शिक्षक और सहपाठियों से अपने स्वयं के लेखन के बारे में बात करना
- विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखना।

साक्षरता के लिए सीखने के प्रारंभिक दिनों में छोटे बच्चे कुछ महत्वपूर्ण लेखन कौशल और ज्ञान विकसित करेंगे। वे सीखेंगे कि लेखक:

- विभिन्न उद्देश्यों और श्रोता-समूहों के लिए लिखते हैं
- सृजनशील और भावनापूर्ण हो सकते हैं
- लेखन के लिए अपने उद्देश्य को पूरा करने में मदद करने के लिए अपने शब्दों, वाक्य संरचना और लेखन के प्रारूप का चुनाव करते हैं
- जब वे लिखते हैं तब अक्षरों के सुसंगत आकार, गठन और दिशा का इस्तेमाल करते हैं
- सुसंगत वर्तनी के लिए वर्तनी के ज्ञान का इस्तेमाल करते हैं। (वर्तनी के ज्ञान में एक शब्द में ध्वनियों और उस ध्वनि को दर्शाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले अक्षरों के बीच संबंध, शब्दों में अक्षरों के प्रतिमान और वर्तनी की परिपाटियाँ शामिल होती हैं।)

घर पर अपने बच्चे के साथ लिखने के लिए इनमें से कुछ विचारों को आजमाएं।

- किराने का सामान खरीदने से पहले एक सूची बनाएं।
- परिवार और दोस्तों को पत्र, निमंत्रण, ग्रीटिंग कार्ड, पोस्टकार्ड और ईमेल लिखें।
- दादी माँ की बताई आपकी पसंदीदा किसी रेसिपी को लिखें।
- जब आप विभिन्न पारिवारिक गतिविधियों की योजना बनाएं, जैसे कि छुट्टी के लिए पैकिंग करना या पार्टी की योजना बनाना, तब जरूरी चीजों की सूची बनाएं।
- बच्चों के बनाए चित्रों को लेबल करें। बच्चों को अपने बनाए चित्रों के बारे में बात करने और लिखने दें।

© 2021 Commonwealth of Australia, unless otherwise indicated. Creative Commons Attribution 4.0, unless otherwise indicated.

- कुछ रोल-प्लेइंग स्थितियों को आजमाएं जिनमें लिखने की जरूरत होती है, जैसे, रेस्तरां का खेल खेलें और ग्राहक के ऑर्डर लिखें, डॉक्टर का नाटक खेलें और रोगी के विवरण लें, पुलिस का नाटक खेलें और कार दुर्घटना के विवरण के लिए गवाहों से पूछें।

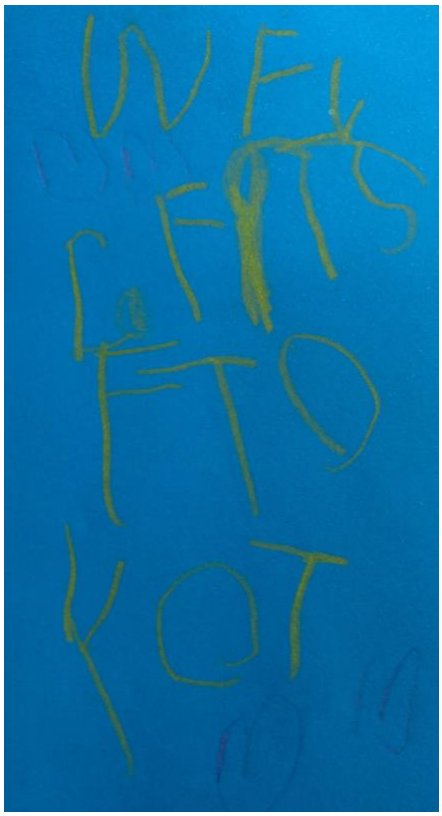

4½ वर्ष के एरिन ने अपनी माँ का चीज़ ऑन टोस्ट का लंच ऑर्डर लिखा।

© 2021 Commonwealth of Australia, unless otherwise indicated. Creative Commons Attribution 4.0, unless otherwise indicated.